SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I move :

That the Bill as amended be passed.

The question was put and the motion was adopted

STATEMENT BY MINISTER

Status of implementation of the recommendations contained in the twenty-third report of the Department-Related Standing Committee on Information Technology

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI SURESH PACHOURI): Sir, on behalf of my colleague I lay a copy of the statement regarding the status of implementation of the recommendations contained in the Twenty-third Report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Information Technology.

SPECIAL MENTIONS

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI KALRAJ MISHRA): Shri Dara Singh. Not here. Shrimati Shobhana Bhartia. Not here. Shri S.P.M. Syed Khan. Not here. Shri Datta Meghe. Not here. Shri Ali Anwar.

Need to protect banarsi saree industry from closure

श्री अली अनवर (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, हमारे हजार साल पुराने बनारसी साड़ी उद्योग पर चीन की बुरी नज़र लग गई है। छह लाख से ज्यादा लोगो को रोजगार देने वाला और पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा बिहार के कुछ हिस्सो मे फैला बनारसी साड़ी उद्योग इस समय आतंक के साये में है। चीनियों ने अपने कई तरह के सस्ते सिल्क को वाराणसी के बाजार मे झोंक दिया है। अब उनका इरादा चीन में बड़े पैमाने पर बनारसी साड़ियो का उत्पादन कराना है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, एक तरफ चीन ने अपने सस्ते निर्यातो के जरिए यार्न बाजार पर कब्जा कर लिया है, दूसरी तरफ शिफॉन, क्रेप और साटिन जैसे सस्ते फैब्रिक को हमारे बाजार मे झोंक रहा है। आज बनारसी साड़ी उद्योग पूरी तरह सस्ते चीनी धागे पर निर्भर है। चूंकि बाजार पर उनका कब्जा है, इसलिए वे धीरे-धीरे कीमतें भी बढ़ा रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप हस्तकरघा क्षेत्र के हजारो बुनकर व्यापार से बाहर हो गए हैं। इस उद्योग में पारंपरिक रूप से जुड़े छह लाख बुनकरो मे से तीन लाख बुनकर, रिक्शा चलाने तथा दिहाड़ी मजदूरी करने के लिए मजबूर हैं। पिछले दो-तीन सालों मे बनारस के सैकड़ों बुनकर